प्रश्न पत्र – MJY-E 303

अर्जिताधिमार 06-05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–3)

आयुष एवं ज्योतिर्विज्ञान 70+30=100 पूर्णांक

AAYUSHA EVEM JYOTIRVIGYANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 रोगपरिज्ञान के प्रमुख सिद्धान्त
खण्ड – 2 रोगोत्पत्ति का सम्भावित समय
खण्ड – 3 आकस्मिक, आगन्तुक एवं असाध्यरोग विचार
खण्ड – 4 अदृष्ट निमित्तजन्य रोग
खण्ड – 5 रोगनिवृत्ति के ज्योतिष शास्त्रीय उपचार एवं समीक्षा

सन्दर्भग्रन्थ :

1. ज्योतिषशास्त्र में रोगविचार – डॉ0 शुकदेव चतुर्वेदी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. गदावली–चक्रधर जोशी
3. आयुर्वेद ज्योतिष पर विचार – वीरसिंहावलोकन
4. चिकित्सा ज्योतिष – डॉ0 चरक